उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों?

ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी (GBC) 4.0 में, उत्तर प्रदेश सरकार **14,000 परियोजनाओं** को शामिल करने वाले 10 लाख करोड़ रुपए के**समझौता ज्ञापन (MoU)** की घोषणा करने के लिये तैयार है, जिससे 33.50 लाख रोज़गार के अवसर उत्पन्न होने की उम्मीद है।

मुख्य बिंदु:

- **GBC 4.0 के लिये** अनुमानित निवेश रोलआउट पिछले तीन ग्राउंडब्रेकिंग समारोहों में लागू किये गए**2.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक के संचयी निवेश से पाँच गुना अधिक है।**
    - इनमें से **52% से अधिक परियोजनाएँ** पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शुरू की जाएंगी, जिसे **पश्चिमांचल क्षेत्र** के रूप में भी जाना जाता है।
    - **पूर्वांचल क्षेत्र में लगभग 29% MoU** को लागू किया जाएगा, जिसमें राज्य के पूर्वी हिस्से शामिल हैं।
    - **मध्यांचल में 14 % और बुन्देलखण्ड में 5 % MoU** लागू होंगे।
- इन MoU पर **फरवरी 2023 में लखनऊ** में आयोजित उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में हस्ताक्षर किये गये थे।
- प्रतिष्ठित उद्योगपतियों, **500 कंपनियों के प्रतिनिधियों, विदेशी निवेशकों, राजदूतों, उच्चायुक्तों** और अन्य विशिष्ट अतिथियों सहित लगभग 3000 लोग **ग्राउंडब्रेकिंग समारोह 4.0** में भाग लेंगे।

पिछला ग्राउंडब्रेकिंग समारोह

- राज्य में तीन ग्राउंडब्रेकिंग समारोह पहले ही हो चुके हैं, जिससे 2.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आया है।
- **पहला यूपी इन्वेस्टर्स समिट फरवरी 2018 में आयोजित किया गया था** जिसमें 4.28 लाख करोड़ रुपए के 1045 MoU पर हस्ताक्षर किये गए थे।
- पहला ग्राउंडब्रेकिंग समारोह जुलाई 2018 में हुआ, उसके बाद दूसरा जुलाई 2019 में हुआ, जिसके परिणामस्वरूप क्रमशः 61,792 करोड़ रुपए के निवेश के साथ 81 परियोजनाएँ और 67,202 करोड़ रुपए के निवेश के साथ लगभग 290 परियोजनाएँ सफलतापूर्वक लॉन्च हुईं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pojects-worth-rs-10-lakh-crore-to-be-implemented-in-uttar-pradesh